कक्षा-3 के लिए अपठित गद्यांश

जादुई दुनिया

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में एक साधारण लड़की, जिसका नाम नन्ही था, रहती थी। नन्ही हमेशा से ही किताबों की शौकीन थी और उसे कहानियों में डूब जाना बेहद पसंद था। वह अक्सर अपने दादा जी से सुनाई गई पुरानी कहानियों के बारे में सोचती थी, जिन्हें सुनकर उसकी आँखों में चमक आ जाती थी।

एक दिन जब नन्ही अपने गाँव के पुराने जंगल में घूमने गई, तो उसने एक चमकदार पत्थर देखा। वह पत्थर रंग-बिरंगा और अजीब था, मानो किसी जादुई दुनिया का द्वार हो। नन्ही ने उसे उठाया और जैसे ही उसने उसे अपने हाथों में लिया, चारों ओर का दृश्य बदलने लगा।वह अचानक एक जादुई दुनिया में पहुँच गई। इस दुनिया में पेड़ सुनहरे थे, फूल बोलते थे और आसमान में रंग-बिरंगे पक्षी उड़ रहे थे। यहाँ के लोग भी बहुत सज्जन और खुशमिजाज थे। नन्ही ने देखा कि सभी लोग एक बड़े उत्सव की तैयारी कर रहे थे। वहाँ की रानी, जो एक सुंदर परी थी, ने नन्ही का स्वागत किया।"स्वागत है, नन्ही! तुमने हमारे जादुई पत्थर को ढूंढ लिया। यह हमारे देश के सभी जादुई जीवों की शक्ति को अपने में समेटे हुए है," रानी ने कहा। नन्ही की आँखों में चमक आ गई। उसने रानी से पूछा, "क्या मैं यहाँ और रुक सकती हूँ? मुझे यह दुनिया बहुत पसंद है।"

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. नन्ही को किस का शौक था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. नन्ही ने अपने गाँव के पुराने जंगल में क्या देखा ?

उत्तर _____

_____

प्र०3. जादुई दुनिया कैसी थी ?

उत्तर _____

_____

प्र०4. ऊपर दिए गए गद्यांश से दो संज्ञा शब्द ढूंढकर उनका वाक्य बनाएं।

उत्तर 1._____

_____

2. _____

_____